विषय – औद्योगिक संगठन के मूलतत्व

विषय कोड – 332

कक्षा – बारहवीं

इकाई क्रमांक	विषय सूची	अंक	कालखंड
1.	**A उद्योगों का विवेकीकरण एवं आधुनिकीकरण**	10	18

विवेकीकरण की परिभाषा, उद्देश्य, विवेकीकरण के सिद्धांत, पक्ष में तर्क, विवेकीकरण के लाभ एवं दोष, विवेकीकरण के धीमी प्रगति के कारण, सरकार द्वारा उठाएँ गए कदम, भारत के प्रमुख उद्योगों में आधुनिकीकरण।

B भारत में उद्योगों का स्थानीयकरणः–

स्थानीयकरण के दो बड़े केन्द्रों का विकाश, सूती वस्त्र उद्योग का स्थानीयकरण, लौह इस्पात उद्योग का स्थानीयकरण, जूट उद्योग का स्थानीयकरण, विकेन्द्रीकरण का प्रारंभ ।

2.	**A भारत में उद्योगों का स्थानीयकरणः–**	10	18

औद्योगिक स्थानीयकरण का अर्थ, सिद्धांत (अल्फ्रेड वेबर), औद्योगिक स्थानीयकरण के निर्धारित कारक, औद्योगिक स्थानीयकरण के कारण, औद्योगिक स्थानीयकरण के महत्व,।

B अल्प विकास एवं औद्योगीकरण की समस्याएंः–

अल्पविकास का आशय, अल्पविकसित देश की परिभाषा, अल्पविकसित अर्थव्यवस्था की विशेषता (आर्थिक विशेषता, जनसंख्या संबंधी विशेषता, सामाजिक विशेषता, प्रशासनिक एवं राजनैतिक विशेषता), औद्योगिक विकास की समस्याएं, औद्योगीकरण के मूल उद्देश्य।

3.	**औद्योगिक वित्त एवं वित्तीय पूँजी बाजार :–**	10	18

औद्योगिक वित्त का अर्थ, औद्योगिक वित्त का महत्व, औद्योगिक

		अंक	खण्ड
	वित्त के साधन (आंतरिक एवं बाह्य साधन) औद्योगिक वित्त की कमी के कारण, कमी को दूर करने के उपाय।		
4.	**भारत में आधुनिक उद्योगों का अभ्युदय एवं विकास :-** भारत में आधुनिक उद्योगों का उदय, आधुनिक उद्योगों की स्थापना के प्रेरक तत्व, देश के उद्योगों पर विभाजन का प्रभाव, प्राचीन उद्योग धंधों के पतन का कारण।	10	18
5.	**A भारत के लघु एवं ग्रामीण उद्योगः-** लघु एवं कुटीर उद्योगों का आशय, लघु एवं कुटीर उद्योगों की उपयोगिता एवं महत्व, कुटीर उद्योगों के पतन के कारण, लघु एवं कुटीर उद्योग के लाभ, लघु उद्योगों की प्रमुख समस्याएँ । **B विदेशी पूँजी एवं औद्योगीकरणः-** विदेशी पूंजी के प्रति भारत सरकार की नीति, विदेशी विनियोग।	10	18
6.	**भारत के विशाल उद्योगः-** सूती वस्त्र उद्योग, जूट उद्योग, लोहा इस्पात उद्योग, कागज उद्योग, चीनी उद्योग।	10	18
7.	**भारत की औद्योगिक नीतिः-** भारत के औद्योगिक नीति के उद्देश्य, भारत के प्रथम औद्योगिक नीति, औद्योगिक नीति से आशय, भारत के वर्तमान नई औद्योगिक नीति 1991, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं नई औद्योगिक नीति, भारतीय नई औद्योगिक नीति की आलोचनाएं ।	10	18
8.	**A भारत में सार्वजनिक उपक्रमों का महत्व एवं विकास :-** भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का उदय, सार्वजनिक उपक्रमों का महत्व, सार्वजनिक उपक्रमों की सीमायें, सार्वजनिक उपक्रमों के उद्देश्य, सार्वजनिक उपक्रमों का विकास ।	10	18

		अंक	घण्टे
	B सार्वजनिक उपक्रमों के संगठन एवं प्रबंधन की समस्याऐं:– सार्वजनिक उपक्रम की समस्याएँ, आंतरिक प्रबंध की समस्याएँ ।		
9.	**औद्योगिक नियोजन एवं विकास:–** अल्प विकास एवं औद्योगिक नियोजन का आशय, औद्योगिक विकास का उद्देश्य, 1990–2000 में औद्योगिक नियोजन ।	10	18
10.	**A राज्यों द्वारा उद्योगों का नियमन एवं नियंत्रण:–** औद्योगिक विकास में राज्यों की सक्रिय भूमिका, उद्योगों में राजकीय नियमन एवं नियंत्रण के उद्देश्य।	10	18
	B औद्योगिक संबंध :– औद्योगिक संबंध का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, महत्व, क्षेत्र, प्रभावी सिद्धांत, औद्योगिक संबंधों की वर्तमान स्थिति, निर्धारक घटक ।		
	योग	100	180

विषय समिति के संयोजक एवं सदस्य

1- डॉ. हरिप्रशाद जोशी (संयोजक)
2- श्री मनीष गोवर्धन (सदस्य)
3- श्री डी.के. जैन (सदस्य)
4- श्री के.उन्नीकृष्णन (सदस्य)
5- श्रीमती रंजना ठाकुर (सदस्य)

****